No. of Printed Pages : 6 **BPYE–001**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

December, 2025

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Discuss the problem of defining 'religion' and give an overview of the various developmental stages of religion. 20

Or

Discuss the essential attributes and nature of God.

2. What is understood by religious pluralism ? Explain the philosophical responses to religious pluralism. 20

Or

What is religious language ? Discuss its functions.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

   (a) Explain the theory of socio-political origin of religion. 10

   (b) Discuss Kant's idea of God. 10

   (c) Highlight the arguments against atheism and agnosticism. 10

   (d) Discuss the religious trends in post-modernism. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Give an account of Marx's views on religion. 5

   (b) What is the difference between religious feeling and feeling of the sublime ? 5

(c) Explain the psychological account of the origin of religion. 5

(d) Describe the various phases of inter-religious dialogues. 5

(e) What is the ontological argument for the existence of God ? 5

(f) What constitutes the core of primitive religious consciousness ? 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

(a) The Holy 4

(b) Durkheim's views on religion 4

(c) Language and worship 4

(d) Mysticism 4

(e) Religious tolerance 4

(f) Moral argument for the existence of God 4

(g) Religious fundamentalism 4

(h) God as omnipotent 4

BPYE–001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्म-दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** व **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. 'धर्म' को परिभाषित करने की समस्या पर चर्चा कीजिए और धर्म के विभिन्न विकासात्मक चरणों का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 20

अथवा

ईश्वर के सारभूत गुणों और प्रकृति की चर्चा कीजिए।

2. धार्मिक बहुलतावाद से क्या आशय है ? धार्मिक बहुलतावाद के प्रति दार्शनिक प्रतिउत्तरों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

धार्मिक भाषा क्या है ? इसके कार्यों की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) धर्म की उत्पत्ति के सामाजिक-राजनीतिक सिद्धान्त की चर्चा कीजिए। 10

(ख) काण्ट के ईश्वर सम्बन्धी विचार की चर्चा कीजिए। 10

(ग) अनीश्वरवाद और अज्ञेयवाद के विरुद्ध युक्तियों पर प्रकाश डालिए। 10

(घ) उत्तर-आधुनिकतावाद में धार्मिक प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(क) धर्म पर मार्क्स के विचारों का विवरण दीजिए। 5

(ख) धार्मिक भावना और उदात्तता की भावना के मध्य अंतर कीजिए। 5

(ग) धर्म की उत्पत्ति संबंधी मनोवैज्ञानिक विवरण की व्याख्या कीजिए। 5

(घ) अन्तर-धार्मिक संवाद के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए। 5

(ङ) ईश्वर की सत्ता के समर्थन में सत्तामीमांसीय युक्ति क्या है ? 5

(च) आदिम धार्मिक चेतना के मूल को क्या है जो बनाता है ? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पवित्र 4

(ख) धर्म पर दुर्खीम के विचार 4

(ग) भाषा और प्रार्थना 4

(घ) रहस्यवाद 4

(ङ) धार्मिक सहिष्णुता 4

(च) ईश्वर की सत्ता के समर्थन में नैतिक युक्ति 4

(छ) धार्मिक कट्टरवाद 4

(ज) सर्वशक्तिमान के रूप में ईश्वर 4

× × × × ×